Question:- Discuss the Contribution of Woundt and titchner to the development of Structuralism.

Or

Woundt is the founder father of experiment Psychology

Ans:- संरचनावाद मनोविज्ञान का सबसे पहला सम्प्रदाय है। जिसके विकास में केवल दो मनोवैज्ञानिकों ने योगदान दिया है। Woundt ने संरचनावाद की पृष्ठभूमि तैयार की और Titchner ने इसे एक सम्प्रदाय का रूप दिया। लेकिन Woundt को भी प्रयोगात्मक मनोविज्ञान का जनक कहा जाता है क्योंकि Woundt ने मनोविज्ञान की पहली प्रयोगशाला स्थापित करके सही अर्थ में प्रयोगात्मक मनोविज्ञान को Status दिया। Titchner एक मनोविज्ञान का वस्तुतः Woundt के शिष्य थे। और उन्होंने एक सहायक के रूप में अपने गुरु Woundt को सहयोग दिया।

1860 को मनोविज्ञान की इतिहास एक महत्वपूर्ण वर्ष माना जाता है। इसके पूर्व मनोविज्ञान दर्शन का अंग बना हुआ था। लेकिन Woundt ने पहली बार 1860 में मनोविज्ञान को एक स्वतंत्र विज्ञान होने की घोषणा कर दिया। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक petriege के अन्तर्गत यह दावा किया कि मनोविज्ञान एक स्वतंत्र मनोविज्ञान है। Woundt के इस योगदान से मनोविज्ञान को समान्य रूप से और संरचनावाद को

विज्ञान रूप से विकसित होने का अवसर मिला।

1879 में Woundt ने Liepzing में मनोविज्ञान की पहली प्रयोगशाला की स्थापना कर दी। उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान कि विषयवस्तु तत्कालीन अनुभूति है। और इसकी विधि अंतः निरीक्षण है। मनोविज्ञान एक स्वतंत्र विज्ञान है। क्योंकि इनके दोनों आवश्यक है। एक निश्चित विषय वस्तु एक निश्चित विधी। इसमें दोनों उपलब्ध है। 1974 ई० में William James ने अमेरीका में भी मनोविज्ञान की प्रयोगशाला स्थापित करके चेतन अनुभूति पर अध्ययन किया। लेकिन उनकी प्रयोगशाला अनऔपचारिक थी और उनके पास मनोविज्ञान कि कोई निश्चित विधि उपलब्ध नहीं थी। इसी कारण Woundt की प्रयोगशाला को मनोविज्ञान की प्रथम प्रयोगशाला माना जाता है। और इसके हैसियत से Boring (1966) का यह कथन सत्य है कि "Woundt is the founder father of experiment Psychology."

Woundt ने तत्कालीन अनुभूति की संरचना पर बल दिया उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान तत्कालीन अनुभूति का अध्ययन करने वाला विज्ञान है। उन्होंने तीन तरह के तत्वों का उल्लेख किया जिन्हें संवेदना, प्रतिमा, तथा भाव कहा जाता है।

Woundt ने संरचनावाद की व्याख्या करते हुए कहा है कि

मनोविज्ञान चेतन अनुभूति के केवल विश्लेषण का अध्ययन करने वाला विज्ञान है। इसलिये संरचनावाद को तत्ववाद अर्थात Existenciolism भी कहा जाता है। इसी आधार पर उसे extencialism भी कहा जाता है। ~~इसके आधार पर उसे~~

Wundt ने चेतन अनुभूति के भिन्न भिन्न तत्वों ~~यानी संवेदना~~ की व्याख्या करते हुए कहा कि सभी चेतन अनुभूतियों की रचना इन्हीं तीन तत्वों यानि संवेदना भाव तथा प्रतिमा से होती है। फिर भी प्रत्येक चेतन अनुभूति अपने आप में अपूर्ण होती है। Wundt ने इसकी व्याख्या के सिद्धान्त को Psychic determinism के आधार पर की है। उनके इस योगदान से प्रमाणित होता है कि Gestalt वादियों ने organisation के सिद्धान्त पर उल्लेख प्रस्तुत किया है।

Wundt ने चेतन अनुभूति के अध्ययन के लिये केवल अंतः निरीक्षण को विधि माना। उन्होंने कहा कि चेतन अनुभूति का सिर्फ अध्ययन केवल Wundt के system को introspective Psychology की संज्ञा दी जाती है। अंतः निरीक्षण एक लम्बे समय तक व्यवहारवादियों के प्रभाव से दबा रहा। परन्तु फिर भी वर्तमान समय में Cognitive या Humanistic Psychology के रूप में उसका पुनर्जागरण हो गया।

स्पष्ट है कि Wundt ने संरचनावाद के विकास में विशिष्ट से और प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के विकास में सामान्य रूप से योगदान दिया। लेकिन Wundt

Scanned with CamScanner

साथ Titchner ने भी योगदान दिया है। वे ब्रिटेन के निवासी थे। और woundt के संस्था में अध्ययन करने के लिये जर्मनी आये थे। उन्होंने जीवन भर woundt के System को ~~एक सम्प्रदाय सम्प्रदाय एक सम्प्रदाय के रूप में स्थापित कर दिया~~ | सफल बनाने का प्रयास किया।

संरचनावाद को एक सम्प्रदाय के रूप में विधिवत तरीके से स्थापित करने का श्रेय woundt को नहीं बल्कि Titchner को है। 1898 में Titchner ने Structuralism को एक सम्प्रदाय के रूप में स्थापित कर दिया।

~~Titchner ने woundt के System की के पक्ष में बहस करते हुए~~ ~~Titchner ने संरचनावाद के साथ साथ प्रकार्यवाद का जोरदार विरोध किया। अमेरिका में woundt के संरचनावाद की के जोरदार विरोध किया।~~

Titchner

Titchner ने संरचनावाद के साथ साथ प्रकार्यवाद का नामकरण किया। अमेरीका में woundt के संरचनावाद का जोरदार विरोध किया। Dewey, Angell तथा Carr ने Chicago University में संरचनावाद का विरोध किया और कहा कि ~~यह~~ मनोविज्ञान केवल अनुभूति का संरचना का अध्ययन करता है बल्कि उसके कार्य का अध्ययन भी करता है। Titchner ने अपने विरोधियों ~~functionalist~~ functionalist कहा। ~~इसलिए 1889~~. इसलिए उनके सम्प्रदाय को functionalism

इस तरह 1889 प्रकार्यवाद की ~~स्थापना~~ स्थापना एक सम्प्रदाय के रूप में हो गई। Titchner ने Wound के System के पक्ष में तर्क करते हुए कहा कि किसी भी वस्तु के दो पक्ष होते होते हैं। ~~जिसे~~ संरचना तथा कार्य करते हैं। कार्य की अपेक्षा संरचना का महत्व अधिक होता है। संरचना ठीक रहने पर कार्य भी ठीक रहता है। संरचना में गड़बड़ी रहने पर कार्य में भी विकृति उत्पन्न होती है। आँख, कान, इत्यादी में होता है। इसी तरह चेतन अनुभूति के कार्य की तुलना में उसकी संरचना अधिक महत्वपूर्ण है। अतः मनोविज्ञान का उद्देश्य चेतन अनुभूति के ~~संरचना~~ की संरचना का अध्ययन करना है। उसके कार्य का अध्ययन करना नहीं।

इस प्रकार Wound के साथ साथ Titchner ने भी संरचना के ~~विकास~~ विकास को जर्मनी के बाहर अमेरिका ब्रिटेन आदि देशों में भी लोकप्रिय बनाने का प्रयास किया। 1987 में उनके आकस्मिक मृत्यु के कारण संरचना वाद का बढ़ता हुआ कदम रुक गया और watson के नेतृत्व में प्रकार्यवाद उस पर हावी हो गया।

वर्तमान स्थिति यह है, कि संरचना वाद पुनः Cognitive Psychology, Humanistic Psychology के रूप में सक्रिय हो चली है। अतः निरीक्षण के ~~आधार~~ आधार पर चेतन अनुभूति का अध्ययन पुनः आवश्यक बनता जा रहा है। जिससे Wondt तथा Titchner के System का महत्व दृष्टिगोचर होता है।